

पर्यावरण शिक्षण माटे छ-सामग्रीनी रचना अने तेनी असरकारकता

सुनीलकुमार आर शाह, डी.अशोक परमार

पीअेय .डी संशोधक अने सह.प्राध्यापक* शिक्षण शास्त्र विभाग (IASE), गूजरात विधापीठ, अमदावाड

सारांश

प्रस्तुत संशोधनमां संशोधनकताये पर्यावरण शिक्षणना अध्यापन कार्यमां छ-सामग्री आधारित शिक्षण सामग्रीनी असरकारकता ज्ञावानी प्रयास करेव छे. संशोधन माटे धोरण 6थी 9ना पर्यावरण विषयना पसंद करेव विषयवस्तुने सरणताथी लक्षाववा माटे छ-सामग्रीनी रचना करवामां आवी हती. छ-सामग्रीनी असरकारकता ज्ञाववा माटे प्रयोग अने पुनःप्रयोग करवामां आव्या हता. आ बंने प्रयोगमां यार शाणाना 120 विधार्थीओमां प्रायोगिक जूथने कम्प्युटर आधारित सामग्री द्वारा अने नियंत्रित जूथने परंपरागत पद्धति द्वारा शिक्षण आपवामां आव्युं हतुं. शिक्षण कार्य संदर्भे कम्प्युटर आधारित छ- सामग्रीनी असरकारकता ज्ञाववा माटे पर्यावरण विषयक उत्तर कसोटी द्वारा विधार्थीओना प्रामांडी नुं प्रमांण वियवण, मध्यस्थ, टी-मूल्य, सरासरी, विसमता ज्ञाववामां आवी हती. प्रास टी-मूल्यनुं सार्थकता स्तर तपासता ज्ञाववा मण्युं के कम्प्युटर आधारित छ-सामग्रीथी शिक्षण मेणवता विधार्थीओनी सिद्धी परंपरागत पद्धतिथी शिक्षण मेणवता विधार्थीओ कर्तां वधुं प्रास थछ हती.

प्रस्तावना

आधुनिक युगमां शिक्षण मेणववानी प्रक्रिया बदलाछ छे आजे घड़ी शाणानो कम्प्युटरना माध्यमथी शिक्षण आपती जोवा मणे छे त्यारे शाणाना कक्षाये शिक्षक पोताना अध्ययन- अध्यापनमां कम्प्युटरनो उपयोग करता होय छे.तेना द्वारा शिक्षक पोते वर्तमान समय साथे यावी शके अने विधार्थीओने टेकनोलोजीना माध्यमथी भूव ज ङपथी सयोट अने ज्ञानसंभर मांडिती पूरी पाडी शके छे. त्यारे पर्यावरण शिक्षण जेवा भूव ज अगत्यना विषयमां पण विधार्थीओ कम्प्युटर अने टेकनोलोजीना माध्यमथी पर्यावरण विषेनी अनेक नवी-नवी ब्यावतो ज्ञावी शके ते आवश्यक छे. आजे शाणाना कक्षाये कम्प्युटर आधारित शिक्षणनो ङीक भूव वधतो जाय छे त्यारे शिक्षक पण एलेक्ट्रॉनिकस उपकरणनो उपयोग करी विधार्थीओने वांवा समय सुधी याद रडी शके तेवुं ज्ञान आपी शके छे. प्रस्तुत अस्थासथी संशोधकने अे ज्ञाववानी जिज्ञासा छे के विधार्थीओमा पयावरण विषय प्रत्ये जगृति आवे ते हेतुथी अध्यापनमां एलेक्ट्रॉनिकस उपकरणना माध्यमथी छ-सामग्रीनी रचना करी विधार्थीओ पर तेनी शुं असर थाय छे.

उपरोक्त ब्यावतनी ज्ञाव हेतु संशोधके नीये मुजबना शीर्षकथी संशोधन कर्युं हतुं.

पर्यावरण शिक्षण माटे छ-सामग्रीनी रचना अने तेनी असरकारकता

संशोधनना हेतुओ :

1. पर्यावरण शिक्षण माटेनी छ-सामग्री तैयार करवा माटेनुं विषयवस्तुनी पसंदगी करवी.
2. पर्यावरण शिक्षण माटेनी छ-सामग्रीनी रचना करवी.
3. पर्यावरण शिक्षण माटेनी छ-सामग्रीनी असरकारकता तपासवा माटे पर्यावरण विषयक कसोटीनी रचना करवी.
4. विधार्थीओनी पर्यावरण शिक्षणनी सिद्धी पर छ-सामग्रीनी असरकारकता तपासवी.

संशोधननी उद्वेचनाओ :

प्रयोग

प्रायोगिक जूथ अने नियंत्रित जूथना विधार्थीओना पर्यावरण विषयनी कसोटीना प्रामांडीनी सरासरी वय्ये सार्थक तज्ञावत नडी होय.

पुनः प्रयोग

प्रायोगिक जूथ अने नियंत्रित जूथना विधार्थीओना पर्यावरण विषयनी कसोटीना प्रामांडीनी सरासरी वय्ये सार्थक तज्ञावत नडी होय.

संशोधनना यव

यव अेक अेवुं वक्षण छे के जेमां विविध मूल्य होछ शके छे. अेवी राशि छे जेनी किमत सतत बदलाती होय छे यव वडे जुदी जुदी व्यक्तिओने तेना जूथ अने पर्यावरण अनुसार जुदा पाडी शकाय छे जेवा के उंमर, जातीयता, बुद्धि, बुद्धिकक्षा, धोरण, आवक वगेरे.

प्रस्तुत संशोधनमां नीचे प्रमाणे यलोनुं वर्गीकरण करवामां आवेल छे.

- 1 स्वतंत्र यल : पर्यावरण शिक्षणानी छ-सामग्री, व्याख्यान पद्धति.
- 2 परतंत्र यल : पर्यावरण विषयक कसोटीना प्राप्तांको.
- 3 नियंत्रित यल : कक्षा, सूयनानी भाषा, शाणानुं वातावरण.
- 4 आवर्तक यल : विद्यार्थीओनी रुचि.

संशोधननुं व्यापविश्व

कोछपण संशोधन कार्यना परिणामो बधाने वागु पाडी शकता नथी. त्यारे संशोधन व्याप नक्की करवो षूब जरूरी बने छे. संशोधक आ विभागमां पोताना अब्यासनी सीमा दशावि छे. आ अब्यास माटे पावनपुर शडेरनी यार शाणानुमां अब्यास करतां विद्यार्थीओनी व्यापविश्व तरीके पसंदगी करवामां आवी छती.

नमूना पसंदगी

व्यापविश्व मांथी बिन- संभावना नमूना पद्धति आधारित सडेतुक नमूना पद्धतिना उपयोग वडे नमूनानी पसंदगी करवामां आवी छती. जेमां धोरण 9ना 120 विद्यार्थीओनी पसंदगी करवामां आवी छती.

कोष्टक 1 नमूना पसंदगीनी विगत

शूथ	प्रायोगिक शूथ		नियंत्रित शूथ		कुल
	कुमार	कन्या	कुमार	कन्या	
प्रयोग	21	9	19	11	60
पुनः प्रयोग	24	6	16	14	60
					120

संशोधननी पद्धति

आ अब्यासमां प्रायोगिक पद्धतिना उपयोग करवामां आवेल छे. जेनुं माणभुं पूर्ण प्रायोगिक अने तदन वैज्ञानिक छे. अब्यासनी प्रगति माटे प्रायोगिक संशोधन पद्धतिनी विविध योजनाओ छे अमांथी आ संशोधन माटे **बे समकक्ष शूथ मात्र उत्तर कसोटी योजना**ना उपयोग वडे प्रयोग करवामां आवेल छे. जेमां नक्की करेवा समयपत्रक प्रमाणे प्रायोगिक शूथने छ-सामग्री द्वारा अने नियंत्रित शूथने परंपरागत शिक्षण पद्धति द्वारा अध्यापन कराववामां आवेल छे. जेनी माडिती नीचे प्रमाणे छे.

कोष्टक 2 संशोधननी प्रायोगिक योजना

बे समकक्ष शूथ उत्तर कसोटी योजना		
प्रायोगिक शूथ	पर्यावरण शिक्षणानी छ-सामग्री द्वारा अध्यापन	उत्तरकसोटी
नियंत्रित शूथ	परंपरागत पद्धति द्वारा अध्यापन	उत्तरकसोटी

पर्यावरण विषयक छ-सामग्री माटे अेकम पसंदगी

माध्यमिक शाणा स्तरे सामाजिक विज्ञान विषयनुं अध्यापन कार्य करावता शिक्षकोने शिक्षणकार्य दरमियान पर्यावरण विषय सबंधित अेकमोमां कयो अेकम लण्णववामां सरण, मध्यम अने अघरो वागे छे ते जाणवा शिक्षको ने अेक अलिप्रयावली आपवामां आवी छती अने आज बाबतनी जाणकारी माटे विद्यार्थीओने अेक कसोटी आपवामां आवी छती. शिक्षकोनी अलिप्रयावली अने विद्यार्थीओनी कसोटी द्वारा सामाजिक विज्ञान विषयमां शिक्षको अने विद्यार्थीओने नीचे मुजबना अेकम सरण, मध्यम अने अघरा लगता छता तेम जाणवा मण्युं छतुं. प्राप्त सरण, मध्यम अने अघरा अेकमोने आधारे संशोधके नीचे मुजबना अेकमोनी पसंदगी पर्यावरण शिक्षण माटेनी छ-सामग्री अने कसोटी रयना माटे करी छती.

कोष्टक 3 पर्यावरण विषयक छ-सामग्री माटे अेकम पसंदगी

क्रम	पा.पु अनुक्रम	धोरण	पेज.नं.	विषयवस्तु	सत्र
1	9	6	46	आपणुं धर पृथ्वी	1-2
2	11	7	59	पर्यावरणना घटको आंतर सबंधो	1-2
3	12	7	66	वातावरणनी सञ्जो पर असर	1-2
4	15	9	114	जण परीवाड	1-2
5	20	9	157	आपति व्यवस्थापन	1-2

उपकरण (पर्यावरण विषयक कसोटी) निर्माण

संशोधनकर्ताअे संशोधनकार्य माटे पसंद करेव अने पोताना द्वारा अने अन्य सहयोगीओना सहयोग द्वारा निर्मित कम्प्यूटर

आधारित शैक्षणिक सामग्रीनी तपास माटे पडेवा 150 प्रश्नोनी अेक पर्यावरण विषयनी सिध्दी कसोटीनी रचना करी लती. आ कसोटीमां जे प्रश्नो वेवामां आवेल लता. जेनी माळिती आ प्रमाणे लती. प्राथमिक स्वरुपनी कसोटीने संशोधनकार्य साथे जोडायेवा तज्जो अने पर्यावरण विषयना निष्ठाातोंने सुधारा माटे मोक्ववामां आवी लती. तज्जोना सुधारा पछी 130 प्रश्नोनी कसोटीनी रचना करवामां आवी लती. 130 प्रश्नोनी कसोटी अने कम्प्यूटर आधारित शैक्षणिक सामग्रीनी अजमायस श्री तिरुपति बावाजो माध्यमिक - उमा .शाणाना घोरण लनां वर्ग अ -ब -क -डना 250 विधार्थीओ पर पूर्वेक्षण करवामां आव्युं लतुं. कसोटीनी पुनः रचना पछी कसोटीना पूर्वेक्षण द्वारा संशोधनकर्ताये क्वाभोनुं पृथक्करण कर्युं लतुं. क्लम पृथक्करण द्वारा संशोधनकर्ताये पर्यावरण विषयनी सिध्दी कसोटीना प्रश्नोनु सरणता मूल्य अने कठिनता मूल्य जाण्युं लतुं. संशोधकर्ताये 0.20 थी 0.80 नी वय्नेनी सरणता मूल्यवाणी क्लमनो स्वीकार कर्यो लतो. 0.20 थी ओछी अने 0.80 थी वधारे तारवणी मूल्यवाणी क्लमनो अस्वीकार करीने अंतिम स्वरुपनी 100 प्रश्नोनी पर्यावरण विषयक कसोटीनी रचना करवामां आवी लती.

पर्यावरण विषयक कसोटीना विश्वसनीयता अने यथार्थीकरणना मानांको

शोधकर्ता द्वारा निर्मित 100 क्लमोनी अने 100 गुणनी कसोटीनी विश्वसनीयता जाणवा माटे यार शाणाना 120 विधार्थीओ पर पूर्वेक्षण करवामां आव्युं लतुं. जेना द्वारा कसोटीनी विश्वसनीयता प्राप्त थल लती. प्रस्तुत शोधकार्य माटे वापरवामां आवेल कसोटीनी विश्वसनीयता अने यथार्थताना मानांको नीये मुजब प्राप्त थया लता. Crown beach Alpha value 0.94 chairman Coefficients value -0.89, Guttman split half coefficient Value 0.89, Cliff's consistency index - C Value 0.48., अने आ कसोटीनी मुप्य वैध्यता सक्षम लती.

माळिती अेकत्रीकरण अने विश्लेषण

प्रस्तुत संशोधन ये विभागमां हाथ घरवामां आव्युं लतुं. प्रयोग अने पुनःप्रयोग अेटवे प्रयोगनुं पुनरावर्तन. प्रथम प्रयोग माटे अेकव्य रेसिडेसी स्कूल जगाणा ना घोरण 9 ना विधार्थीओ अने अेय .अेय .आठ .अेम .के माध्यमिक शाणा जयारे पुनःप्रयोग श्रीमती सी. अेय.मेवाडा माध्यमिक शाणा पावनपुर अने शिवशक्ति माध्यमिक शाणा मेरवाडा (पावनपुर) ना विधार्थीओनी पसंदगी करवामां आवी. बन्ने शाणाना छोकराओ अने छोकरीओनां प्रथम सत्रनी परीक्षाना सामाजिक विज्ञान विषयना गुणनी सरासरी अने प्रमाणित वियलनना आधारे बन्ने जूथ समान बनाववामां आव्या. प्रस्तुत संशोधन ये समान जूथ मात्र उत्तर कसोटी योजना पद्धतिथी करवामां आवेल छे.

कोष्टक 4

प्रयोगना नियंत्रित जूथ अने प्रायोगिक जूथना प्रयोग पत्रोना प्राप्त थयेल प्रासांक

विगत	नियंत्रित जूथनी सांख्यिकी		प्रायोगिक जूथ जूथनी सांख्यिकी	
	प्रथम सत्र गुण	उत्तर कसोटी	प्रथम सत्र गुण	उत्तर कसोटी
सांख्यिकी				
संख्या	30	30	30	30
सरासरी	32.50	49.10	31.96	70.23
प्रमाणित वियलन	3.78	4.72	3.74	6.51
प्रथम यतुर्थक	21.50	32.00	22.50	51.50
मध्यस्थ	33.00	50.00	32.00	71.50
त्रुतीय यतुर्थक	38.50	60.00	38.50	64.00
विषमता	1.21	0.66	0.45	0.51
ककुदता	1.78	0.82	0.78	0.67

कोष्टक 5

पुनः प्रयोगना नियंत्रित जूथ अने प्रायोगिक जूथना प्रयोग पत्रोना प्राप्त थयेल प्रासांक

विगत	नियंत्रित जूथनी सांख्यिकी		प्रायोगिक जूथ जूथनी सांख्यिकी	
	प्रथम सत्र गुण	उत्तर कसोटी	प्रथम सत्र गुण	उत्तर कसोटी
सांख्यिकी				
संख्या	30	30	30	30
सरासरी	31.66	32.77	31.90	89.57
प्रमाणित वियलन	4.09	5.21	4.44	6.76
प्रथम यतुर्थक	22.00	32.50	23.00	52.00
मध्यस्थ	32.50	50.50	32.50	71.00
त्रुतीय यतुर्थक	38.00	60.50	39.00	64.50
विषमता	1.32	0.78	0.81	0.72
ककुदता	1.21	0.91	0.68	0.76

उत्कल्पनानी यकासणी अने संशोधननां तारणो

प्रयोग

तारણ:1

घोरण 9ना पर्यावरण शिखण माटे ँ-सामग्री आघरित शिखणनी असरकारकता अंतर्गत नियंत्रित जूथ अने प्रायोगिक जूथना विधार्थीओना उत्तर कसोटीना सरासरी प्रासांकी वय्ये सार्थक तड्ढावत जोवा मणे ँ.

घोरण 9ना पर्यावरण शिखण माटे ँ सामग्री आघरित शिखणनी असरकारकता अंतर्गत नियंत्रित जूथना विधार्थीओना उत्तर कसोटीना सरासरी प्रासांकी (49.10) कर्तां प्रायोगिक जूथना उत्तर कसोटीना सरासरी प्रासांकी (70.23) ँया जोवा मणे ँ.

पुनःप्रयोग

तारण:1

घोरण 9ना पर्यावरण शिखण माटे ँ सामग्री आघरित शिखणनी असरकारकता अंतर्गत नियंत्रित जूथ अने प्रायोगिक जूथना विधार्थीओना उत्तर कसोटीना सरासरी प्रासांकी वय्ये सार्थक तड्ढावत जोवा मणे ँ.

घोरण 9ना पर्यावरण शिखण माटे ँ सामग्री आघरित शिखणनी असरकारकता अंतर्गत नियंत्रित जूथना विधार्थीओना उत्तर कसोटीना सरासरी प्रासांकी (32.77) कर्तां प्रायोगिक जूथना उत्तर कसोटीना सरासरी प्रासांकी (89.57) ँया जोवा मणे ँ.

शैक्षणिक इवितार्थ

परंपरागत पध्दति द्वारा अभ्यास कर्ता विधार्थीओना सिध्दी कसोटीना गुणना तड्ढावतना आघारे कडी शकाय के कम्प्युटर आघारित ँ-सामग्री द्वारा थयेव अध्यापननी असर वधु जोवा मणे ँ. जेथी विधार्थीओनी शैक्षणिक सिध्दी वधी ँ. जेथी कडी शकाय के नियंत्रित जूथना विधार्थीओने ँ-सामग्री द्वारा अध्यापन कार्य कराववाथी तेओनी शैक्षणिक सिध्दी ँयी वावी शकाय.

उपसंखार

वर्ग शिखणमां वर्षोथी परंपरागत शिखण पध्दति यावी आवे ँ. तेमां शिखक व्ढोवतो रडे ँ ने विधार्थी संभाणतो रडे ँ, तेना व्ढवे विधार्थी जे अेकम शीपी रह्यो ँ ते ँ-सामग्रीना माध्यमथी शीप्ते तो योक्कस तेमनी सिध्दी पर ँकारात्मक असर जोवा मणे

संदर्भ सूचि

- [1] Bahri, H. (2013); *Hindi-Hindi Dictionary*, New Delhi: Rajpal and sons,
- [2] Bhavasar, B., Metaliya, B., & Trivedi, P., (2019). Social Science. Gandhinagar: Gujarat State Text Book Board.
- [3] Best, J. W. (1986). *Research in Education* (5th ed.) New Delhi: Prentice-Hall of India Pvt.Ltd.
- [4] Fifth Survey of Educational Research (1988-92). New Delhi: National Council of Educational Research and Training.
- [5] Garret, H.E. (1966). *Statistics in Psychology and Education*. Hyderabad: International Book Bureau.
- [6] Good, Carter V. (1986). *Essentials of Educational Research: Methodology and Design*. New York: Appleton-century croffs
- [7] Kureshi, S., Bhavasar, B., & Desai, D., (2016). Social Science. Gandhinagar: Gujarat State Text Book Board.
- [8] Pandya, N., Trivedi, R., & Prajapati, P., (2019). Social Science. Gandhinagar: Gujarat State Text Book Board.
- [9] Prajapati, H., Sumera, R., & Prajapati, P., (2019). Social Science. Gandhinagar: Gujarat State Text Book Board.
- [10] Raval, M.P. (2014). *Construction and Effectiveness of E-Content for Educational Psychology*, Unpublished project Report, University Grant Commission.
- [11] Sarin and sarin . (2005). *Shaikshik anusandhan ki vidhiya* (2nd Ed). Agra : Vinodpustak mandir.
- [12] William W. (1986). *Research Methods in Education (An introduction)* (4th ed.) Boston: Allyn and Bacon, Inc
- [13] Yogendra. (2008). *Innovations and Modern Trends in Education* (8th Ed). Agra: Agraval publication. Agra.
- [14] Zechmester J. S., Zechmeister E. B., & Shaughnessy J. J. (2001). *Essentials of Research Methods in Psychology*. (International ed.). N. Y. McGraw-Hill.
- [16] NCERT (2009). *परियोजना पुस्तिका (कक्षा-6), पर्यावरण शिक्षा, करें, सीखें और बताएँ. नई दिल्ली*
- [17] NCERT (2009). *परियोजना पुस्तिका (कक्षा-7), पर्यावरण शिक्षा, करें, सीखें और बताएँ. नई दिल्ली*
- [18] NCERT (2009). *परियोजना पुस्तिका (कक्षा-8), पर्यावरण शिक्षा, करें, सीखें और बताएँ. नई दिल्ली*
- [19] NCERT (2009). *परियोजना पुस्तिका (कक्षा-9), पर्यावरण शिक्षा, करें, सीखें और बताएँ. नई दिल्ली*
- [20] NCERT (2009). *परियोजना पुस्तिका (कक्षा-10), पर्यावरण शिक्षा, करें, सीखें और बताएँ. नई दिल्ली*
- [21] कपिल एच. (1975). *सांख्यिकी के मूल तत्व, आगरा. विनोद पुस्तक मंदिर.*

- [22] गोयल. एम. के (2006). *पर्यावरण शिक्षा*, आगरा: विनोद पुस्तक मंदिर
- [23] प्रसाद. का. (2005). बृहत् हिन्दी कोश, वाराणसी: ज्ञान मंडल लि।
- [24] सावलिया. आर. (2004). *पर्यावरण साथी*, अहमदाबाद: पर्यावरण शिक्षा केन्द्र
- [25] सिंह और शर्मा. (2008) शैक्षिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी. आगरा: अग्रवाल पब्लिकेशन्स,
- [26] शर्मा. आर. ए. (2012). शिक्षा अनुसंधान के मूल तत्व एवं शोध प्रक्रिया, मेरठ: आर. लाल बुक डिपो
- [27] देशपांडे. पी. जी (2012). सर्वांगी अंग्रेजी-गुजराती कोश, नोड्डा: ओक्सफर्ड यनि. प्रेस.
- [28] ठ्याट डी. ए. (सं) संशोधननु संदोहन : राजकोट शिक्षा शास्त्र भवन, सौराष्ट्र युनिवर्सिटी
- [29] देसाई अये. जे. ए. (1996) संशोधननी पद्धतियो अने प्रविधिओ : युनिवर्सिटी ग्रंथ निर्माणा बोर्ड अमदावाड
- [30] दोगा अये. ए. (1988) सिध्दी साथे सभंधित यवो: शिक्षा शास्त्र भवन, सौराष्ट्र युनिवर्सिटी
- [31] गोखया. पं. ड्या. (2020) : बालकमां पर्यावरणीय समज्जो विकास, जूसीईआरटी, गांधीनगर बारीया
- [32] शुक्ला अये. (2012) अकशव अने प्रदत विश्लेषण : अमदावाड क्षिती पब्लिकेशन अमदावाड
- [33] ढाढोदरा अये. (2014) शिक्षा कार्यमां ICT अवरोधक परिबलो : अलद्रष्टि पब्लिकेशन अमदावाड